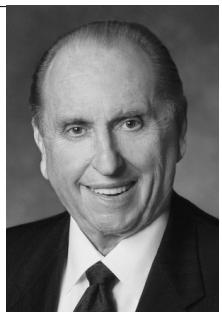

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

भविष्यवक्ताओं का अनुसरण करना

दूसरो विश्व युद्ध के अन्त में मैं संयुक्त राष्ट्र की थल सेना में काम कर रहा था । मैं एक समुद्री सेवक था, थल सेना में संभवत सब से छोटी पध्वी का । फिर मैं प्रथम श्रेणी के योग्य हुआ,बाद में मैं योमेन तीसरी श्रेणी के योग्य हुआ था ।

दूसरे विश्व युद्ध समाप्त हुआ,और बाद में मुझे विमुक्त किया था । परन्तु मैंने एक निर्णाय लिया था कि यदि कभी मुझे सेना में वापस जाना पड़ा, मैं एक कमीशन अफसर के रुप में सेवा करना चाहूगां । मैंने सोचा था,'' अब कभी भी मेरे लिए मेस रसोईघर नहीं, न ही डेक की सफाई करनी होगी,यदि मैं इसे नज़रादज कर सकुं ।''

मेरे विमुक्त होने के पश्चात, मैं संयुक्त राष्ट्र नेवल रिर्जव में भर्ती हुआ था । मैं हर सोमवार रात को अभ्यास करते जाता था । मैंने कड़ी मेहनत की कि मैं अकदमी से योग्यता प्राप्त कर सकूं । मैंने हर प्रकार की परिक्षा में: मानसिक,शारीरिक,और भावुकता में भाग लिया था । आखिरकार, वह सुखद समाचार आया था: ''आपको संयुक्त राष्ट्र नेवल रिर्जव में कमीशन को प्राप्त करने के लिये स्वीकार किया गया है ।''

मैंने प्रसन्नतपूर्वक उसे अपनी पत्नी,फ्रंसिस, को दिखाया, और कहा था,''मैंने कर दिखाया ! मैंने कर दिखाया !'' उसने मुझे गले से लगाया और कहा था, ''तुमने उसे पाने के लिये बहुत मेहनत की थी ।''

परन्तु तभी कुछ हुआ था । मुझे मेरे वार्ड बिशपरी में सलाहकर की बुलाहट दी गई थी । बिशप परिषद की सभा उसी समय पर थी जिस वक्त मेरी सेना अभ्यास की सभा थी । मैं जानता था कि मेरे पास नेवल रिर्जव और मेरी बिशपरी कर्तव्यों का पीछा करने का समय नहीं था । मैं क्या करता ? एक निर्णाय तो लेना था ।

मैंने उस के बारे में प्रार्थना की थी । तब मैंने उस व्यक्ति के पास गया जो मेरा स्टेक अध्यक्ष था जब मैं एक बालक था,एलडर हॉलोट बी.ली (1899–1973), तब बारह प्रेरितो के परिषद के थे । मैं मेज के उस तरफ उनके सामने बैठ गया था । मैंने उन्हें बताया कि वो कमिशन मेरे लिए कितना मायने रखता है । यहां तक, मैंने उन्हें उस नियुक्ति पत्र की नकल दिखाई जिसे मैंने प्राप्त की थी ।

उस बात पर एक क्षण के लिए चिन्तन करने के बाद, ''वह मुझ से बोले, अब तुम्हें एक काम करना चाहिए, भाई मॉनसन । तुम नेवल आफॅर के बियुरो को एक पत्र लिखो और उन्हें बताओ कि क्योंकि तुम्हारे विशपरी में एक सदस्य की बुलाहट के कारण, तुम संयुक्त राष्ट्र नेवल रिर्चव में उस कमिशन को स्वीकार नहीं कर सकते हो ।''

मेरा दिल बैठ गया था । वह बोलते है,''तब सेन फ़र्सिको में टिवेल्थ नेवल डिस्ट्रीक के कामाडेट को लिखो और उन्हें बताओ कि तुम सेवा से विमुक्त होना चाहते हो ।''

मैंने कहा, ''एलडर ली, आप सेना को नहीं समझते हैं । सच में वह मुझे वो कमिशन नहीं देंगे यदि मैं उसे लेने से इन्कार कर दूं, परन्तु टिवेल्थ नेवल डिस्ट्रीक मुझे ऐसा कर के जाने नहीं देगी । कोरिया में मघ बनाने के युद्ध के साथ,एक अफसर को वास्तविक्ता में बुलाया जाएगा । यदि बुलाया गया, मैं एक कमिशन अफसर के रुप में जाऊंगा, लेकिन यदि मैं उस कमिशन को स्वीकार नहीं करता हूं तो नहीं जा सकुंगा । क्या आप को लगता है यही सलाह मुझे आप से लेनी चाहिए ?''

एलडर ली ने अपना हाथ मेरे कंधों पर रखा और पिता की तरह बोले, ''भाई मॉनसन,अधिक विश्वास रखो । सेना तुम्हारे लिए नहीं है ।''

मैं घर चला गया । मैंने आंसुओ के साथ कमिशन को उसी के लिफाफे में पत्र के साथ और उसे अस्वीकार कर के वापस भेज दिया था । फिर मैंने एक पत्र टिवेल्थ नेवल डिस्ट्रीक को लिखकर और नेवल रिर्चव से विमुक्त होने की विनती की थी ।

नेवल रिर्चव से मेरी विमुक्ती उस शेली का अन्तिम समुह था कोरियन युद्ध होने से पूर्व का । मेरे मुख्यालय का उपकरण चालू था । बिशपरी में सलाहकार की बुलाहट के छः सप्ताह बाद, मुझे वार्ड का विशप की बुलाहट दी गई थी ।

मैं गिरजा के उस पद में नहीं होता जो आज मेरे पास है यदि मैं भविष्यवक्ता की सलाह का अनुसरण नहीं करता, उस निर्णाय के विषय में प्रार्थना नहीं करता,एक महत्वपुर्ण सच्चाई की सराहना नहीं करताः कई दफा परमेश्वर का ज्ञान मनुष्य को मुर्खता के समान लगता है ।[1] परन्तु एक महान पाठ हम नाशवरता में सीख सकते हैं कि जब परमेश्वर बोलता है और बच्चे पालन करते हैं, वे हमेशा सही होंगे ।

यह कहा गया था कि इतिहास छोटी सी काज पर से मुड़ता है, और वैसे ही हमारा जीवन भी । निर्णायों पर मंज़िल निर्धारित है । परन्तु हमें हमारे निर्णायों में बिना सहायता के छोड़ा नहीं जाता है ।

यदि आप स्वर्ग का प्रकाश देखना चाहते है,यदि आप स्र्वशक्तिमान परमेश्वर की प्रेरणा को महसूस करना चाहते है,यदि आप के सिने में वह एहसास होता है कि आपका स्वर्गीय पिता आपका मार्गदर्शन कर रहा है, फिर आप परमेश्वर के भविष्यवक्ताओं का अनुसरण करें । जब आप भविष्यवक्ताओं का अनुसरण करते है,आप सुरक्षित सीमा में होंगे ।

टिपण्णी

1. देखें 1 कुरिन्थियों 2:14 ।

इस संदेश से शिक्षा

गिरजे के बहुत से सदस्य को प्रेरित से व्यक्तिगत सलाह प्राप्त नहीं होती है जैसे अध्यक्ष मॉनसन को हुई थी । लेकिन हम अब भी आशीषित हो सकते हैं जैसे हम भविष्यवक्ताओं और प्रेरितों की शिक्षाओं का अनुसरण करते हैं । अध्यक्ष मॉनसन के पीछे जनरल सम्मेलन में दिए गए संदेश को पढ़ने पर विचारे (ध्यान दे उनके शुरुआती और समाप्ती टिपण्णी पर भी)। विशेष निर्देशन या कार्य करने की पुकार के लिए खोजे । आप चर्चा कर सकते है अध्यक्ष मॉनसन के तरीकों पर जिनसे जो आप ने सीखा है जिन से आप भेंट करते है पर लागू कर विचारे ।

युवा

कठिन चुनावों के लिए सलाह

अध्यक्ष हेनरी बी.आयरिंग,प्रथम अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार, ने उस समय के विषय में बताया जब उन्होंने भविष्यवक्ता की सलाह का अनुसरण किया था । एक जनरल सम्मेलन के दौरान, अध्यक्ष एज्रा थेफ्ट बेनसन (1899–1994) ने सदस्यों से कर्जे से बाहर आने का अनुरोध किया था–विशेषकर गिरवी रखने के कर्जो से ।

अध्यक्ष आयरिंग ने कहाः'' मैंने सभा के बाद अपनी पत्नी की ओर मोड़ा और पूछा,क्या तुम सोचती हो कि हम यह किस तरह से कर सकते है ? पहले तो नहीं कर सकें ।'' परन्तु उस शाम वह एक सम्पति के बारे में सोचते है वह जिसे कई सालों से बेचने में असफल कोशिश करते रहें थे । ''हमें परमेश्वर और ...उसके सेवकों के संदेश पर भरोसा करना है, (तभी) हमने एक फोन किया । ... मैंने उस दिन का एक जवाब सुना मेरा भरोसा परमेश्वर में और उसके सेवकों पर और दृढ हो गया था ।'' उसी दिन एक व्यक्ति ने आर्योरिग की सम्पति पर प्रस्ताव रखा उनके कर्जो की कीमत से कही अधिक था । आर्योरिग जल्द ही कर्ज से मुक्त हो गए थे (देखें ''Trust in God, Then Go and Do,'' लियाहोना,नव 2010, 72–73)।

आप के पास शायद गिरवी रखी वस्तु को छुड़ने के लिये पैसे नहीं है,परन्तु भविष्यवक्ता की सलाह आपका यहां पर मार्गदर्शन कर सकती है और अब कठिन निर्णायों के द्वारा जैसे काम,शिक्षा,मिशन,और टेटिग । अपने परिवार के साथ चर्चा करें या बराबर की सोच रखे कैसे आप भविष्यवक्ता का अनुसरण कर सकते हैं जब आप को निर्णाय लेना होता है ।

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *First Presidency Message, January 2015* का अनुवाद । Hindi । 12581 294

यीशु मसीह की विशेषताएं : आज्ञाकारी पुत्र

प्रार्थनापूर्वक इस सामग्री का अध्ययन करें और खोचकर जाने कि क्या बांटना है । कैसे उद्धारकर्ता का जीवन और भूमिकाऐ आपको उसमें विश्वास को बढ़ने की समझ देगा और उनको आशीषित करेगा जिन का आप भेंट करने वाला शिक्षा संदेश द्वारा ख्याल करते है ? अधिक जानकारी के लिए, जाएं ***reliefsociety.lds.org*** *को देखें ।*

विश्वास, परिवार, सहायता

यह भाग यीशु मसीह के विशेषताएं को भेंट करने वाला शिक्षा संदेश की श्रृखांला में दर्शाता है ।

यीशु मसीह का आज्ञाकारी होने का उदाहरण का अनुसरण करने से उसमें हमारा विश्वास बढ़ता है । ''क्या यह कोई चमत्कार है,'' एलडर जेफ्री आर.हॉल्ड बारह प्ररितों के परिषद से ने कहा, ''कि मसीह ने पहले चुनाव कर अपने पिता से अपने स्वंम के संबन्ध को सर्वोश्रेष्ठ की परिभाषा दी —कि वह उससे प्रेम करता है और उसका पालन करता है और उसके हाथ में अपने को सौंपता है जैसे वह एक लायक पुत्र था ?... आज्ञाकारिता स्वर्ग का प्रथम नियम है ।''[1]

धर्मशास्त्र सीखाता है जब हम परमेश्वर से कोई आशीष प्राप्त करते हैं, यह इसलिए आज्ञाकारी होने के उस नियम के द्वारा है जो इसे बताता है, (सि और अनु 130:21) । हमारी आत्मिक प्रगति आज्ञाकारी होने के द्वारा होती है जैसे जैसे हम परमेश्वर के निकट जाते है और अपने जीवन में उद्धारकर्ता के प्रायश्ति की शक्ति को आमंत्रित करते हैं ।

"जैसे हम आज्ञाकारी के सिंद्धात और यीशु मसीह के सुसमाचार की आज्ञाओ पर चलते हैं,'' एलडर डी. टोट क्रिस्टोफरसन बारह प्रेरितो के प्ररिषद के ने कहा,''हम परमेश्वर द्वारा उसके अपने बच्चों से किए अनुबंध, वादा की गई आशीषों को लगातार प्राप्त करने का आनन्द लेते है । वह आशीषे सोत्र प्रदान करती है हमें काम करने की जरुरत है न कि सिर्फ उसपर करने की जिसे हम जीवनभर करते रहते हैं । ... आज्ञाकारिता हमें हमारे जीवनों में अधिक निंमत्रण करने, आने जाने की महान क्षमता, कार्य करने और रचना करने देती है ।'' [2]

धर्मशास्त्रों से

लूका 22:41–46;
सिंद्धात और अनुबंध 82:10; 93:28

हमारे इतिहास से

"धर्मशास्त्र शक्ति जो लगातार आज्ञाओं का पालन करने के परिणाम स्वरुप अन्य व्यक्ति को दी जा सकती है क्या ?'' एलडर डेविड ए. बॅटनर बारह प्रेरितो के परिषद के ने पूछा था ।''स्पष्ट जवाब था... नहीं ।''[3]

दस कुवांरियों का दृष्टान्त इस नियम का एक उदाहरण है । जबकि सारी कुवांरियां अपने मशालें लेकर ''दूल्हे से मिलने गई,'' सिर्फ पाँच ही समझदार थी और अपने मशालों के लिए तेल लिया था । अन्य पाँच मूर्ख थी क्योंकि ''उन्होंने अपने साथ तेल नहीं लिया था'' ।

आधी रात को धूम मचीः ''देखो,दूल्हा आ रहा है,उससे भेंट करने के लिये चलो ।'' सभी कुवांरियों ने अपनी मशालें ठीक करने लगी, परन्तु मूर्ख कुवांरियों के पास तेल नहीं था । उन्होंने समझदार कुवांरियों से कहा,''अपने तेल में से कुछ हमें भी दो,क्योंकि हमारी मशालें बुझी जा रही हैं ।''

समझदार कुवांरियों ने उत्तर दिया था, कदाचित, ''यह हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो,भला तो यह है...अपने लिये मोल ले लो ।'' और जब कि मूर्ख कुवांरियों मोल लेने जा रही थी,दूल्हा आ पहुँचा और समझदार कुवांरियां उसके साथ चली गई और ''द्वार बन्द किया गया था''
(मत्ती 25:1–13)।

विवरण

1. Jeffrey R. Holland, "The Will of the Father in All Things" (Brigham Young University devotional, Jan. 17, 1989), 4 ।
2. D. Todd Christofferson, "The Power of Covenants," Liahona, May 2009, 21 ।
3. David A. Bednar, "Converted unto the Lord," Liahona, Nov. 2012, 109 ।

इसपर विचार करें

धर्मशास्त्रों में आज्ञाकारी होने के कुछ उदाहरण क्या है ?

© 2015 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *Visiting Teaching Message, January 2015* का अनुवाद । Hindi । 12581 294